Status of implementation of recommendations contained in the Forty-fifth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Agriculture

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI E. AHAMMED): Sir, on behalf of SHRI SUBODH KANT SAHAY, I make a statement regarding status of implementation of recommendations contained in the Forty-fifth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Agriculture.

Status of implementation of recommendations contained in the Fortieth and Forty-first Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Railways

SHRI E. AHAMMED: Sir, I beg to make a statement regarding status of implementation of recommendations contained in the Fortieth and Forty-first Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Railways.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Failure of check the spread of swine flu in the country and death of a young girl due to swine flu in Pune

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र): उपसभापति महोदय, स्वास्थ्य मंत्री यहां मौजूद हैं। चूंकि मैं पुणे से आता हूँ, इसलिए मैं यह कहना चाहता हूँ कि स्वाइन फ्लू की जो चर्चा हुई है, उसमें वास्तविकता अलग है। पुणे में जो रीडा शेख की मृत्यु हुई है, उसमें माननीय मंत्री जी ने यह कहा है कि गलती दोनों तरफ से हुई है, लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। वास्तविकता यह है कि पहले वह जहांगीर हॉस्पीटल में गई, वहां से उसके स्वैब टेस्ट के लिए रुबी हॉस्पीटल में भेजा गया। उनके द्वारा नेगेटिव रिपोर्ट देने के बाद इसको discharge किया गया और discharge होने के बाद जब फिर तकलीफ बढ़ी, चूंकि वह टेस्ट सही नहीं हुआ था, इसलिए वह फिर अस्पताल में आई। उसके बाद National Institute of Virology में टेस्ट हुआ, तो वहां positive निकला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और बेचारी लड़की मर गई। उनके parent ने FIR दर्ज किया है। इसलिए मंत्री जी द्वारा यह कहना कि गलती दोनों तरफ से हुई है, यह सही नहीं है। यह जख्म पर नमक छिड़कने जैसा है। शायद मंत्री जी अपने बयान से गलती करने वाले हॉस्पीटल को बचाना चाहेंगे। मेरा मुद्दा यह है कि आज पुणे में स्थिति क्या है? एक शहर में यानी पुणे में 114 cases positive हैं और पूरे देश भर में 540 cases हैं। पुणे में 114 cases positive हैं, जिनमें सौ से ज्यादा स्कूल चिल्ड्रेन हैं। चौदह स्कूल बंद हैं और टेस्टिंग के लिए कतारें लगी हुई है। शहर में घबराहट इस कदर है कि एक लाख लोग मास्क पहन कर जा रहे हैं और एक दूसरा आदमी जिसको आज ससुन अस्पताल में वेंटीलेटर पर रखा गया है, क्योंकि वह भी positive साबित हुआ है। अगर स्थिति यहां तक है, तो इसके कारण क्या हैं?

सर, आपको ताज्जूब होगा कि रीडा शेख की मृत्यु होने तक राज्य सरकार की तरफ से एक भी काम नहीं हुआ था। राज्य सरकार पूरी तरह से लापरवाह थी और तब तक केन्द्र सरकार को उसमें आने की जरूरत भी नहीं थी, लेकिन राज्य सरकार ने कुछ नहीं किया। लोकल प्रशासन कुछ करता रहा। आज मुख्य चीज यह है कि अगर एक ही शहर में इतना इन्फेक्शन हो रहा है, तो यह ट्रेल क्यों नहीं हो रहा है कि यह इन्फेक्शन कहां